दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 97 फरवरी-मार्च 2014 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



17 फरवरी 2014 को AT HOME समारोह में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी एवं पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी 'ऑन लाईन – लॉस्ट रिपोर्ट' पर चर्चा करते हुए।

सत्कार समारोह (AT HOME)


माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का समारोह में स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी


उपराष्ट्रपति डॉ. एम. हामिद अंसारी का स्वागत करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी

67वें स्थापना दिवस के अवसर पर 17 फरवरी, 2014 को मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग, स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में सत्कार समारोह आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त **श्री भीम सैन बस्सी,** उनके परिजनों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने आमंत्रित अतिथियों का आदर सत्कार किया। पुलिस प्रतिष्ठा के अनुरूप इस प्रतिष्ठित भोज में माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, उप–राष्ट्रपति डॉ. एम. हामिद अंसारी, केन्द्रीय गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री नारायण सामी, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री आर.पी.एन.सिंह, मानव संसाधन एवं विकास राज्यमंत्री श्री शशि थरूर, उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग उपस्थित थे। इसके अलावा भारत सरकार व दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न पुलिस संगठनों और अर्धसैनिक बलों के प्रमुख, भूतपूर्व पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी समारोह की गरिमा बढ़ाई।


केन्द्रीय गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे का स्वागत करते हुए मेजबान पुलिस आयुक्त


केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री आर.पी.एन. सिंह का स्वागत करते हुए श्री भीम सैन बस्सी


भूतपूर्व पुलिस आयुक्त श्री वेद मारवाह से वार्ता करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी



सम्मानित अतिथिगण समारोह के दौरान परस्पर गुफ्तगू करते हुए।

सत्कार समारोह की प्रमुख झलकियाँ



फोटो : रोज़र









67वें दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस पर आयोजित परेड़ के पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी द्वारा दिये गये स

16 फरवरी, 2014 की प्रातः किग्जवें कैम्प स्थित नई पुलिस लाइन परेड़ मैदान में दिल्ली पुलिस का 67वां स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एक भव्य और आकर्षक परेड़ का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि **केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री आर.पी.एन सिंह** ने परेड़ की सलामी ली। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने मुख्य अतिथि की अगवानी की और उनके साथ परेड़ का निरीक्षण किया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस समारोह में गृह मंत्रालय, केन्द्रीय पुलिस संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों, भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों **श्री एम.बी.कौशल श्री टी.आर. कक्कड़, श्री अरूण भगत, श्री नीरज कुमार** सहित काफी संख्या में भूतपूर्व एवं वर्तमान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जवानों और उनके परिजन इस समारोह के साक्षी बने। **श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री जे.के. शर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री टी.एन.मोहन, श्री एस.एन. श्रीवास्तव, श्री ताज हसन, श्री एस.नित्यानंदम्, श्री ए.के. सिंह श्री एस.बी.के. सिंह, श्री एस.के. गौतम** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि **श्री आर.पी.एन सिंह** ने समारोह के दौरान अपने अभिभाषण से पूर्व गतवर्ष 26 जनवरी व 15 अगस्त को वीरता के लिए, विशिष्ठ सेवाओं के लिए और सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को पदक लगाकर अलंकृत किया। पदकों से अलंकृत होने वालों में शामिल थेः वीरता के लिए अति. उपा.पु. श्री विक्रम जीत सिंह, विशिष्ठ सेवाओं के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र) श्री संजय बेनीवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (उत्तरी परिक्षेत्र) श्री आर.एस. कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त (पी एंड आई) श्री अशोक कुमार सिंह, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अशोक चांद तथा सेवानिवृत सहायक आयुक्त पुलिस श्रीमती आशा ठाकुर एवं सराहनीय सेवाओं के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री गिरीश चन्द्र द्विवेदी, उपायुक्त पुलिस विमल आनंद गुप्ता, अति.उपा.पु. श्री महेश बत्रा, उपा.पुलिस श्री ज्ञानेन्द्र सिंह अवाना, निरीक्षक पंचम चंद, निरीक्षक जितेन्द्र सिंह, निरीक्षक श्री युगलकिशोर, निरीक्षक बिजेन्द्र सिंह राणा, महिला निरीक्षक रितम्बरा प्रकाश, निरीक्षक राजेन्द्र बाबू, एसआई फूलचंद, एसआई बलबीर सिंह, एसआई चांद सिंह,एसआई संतलाल, एसआई सत्यपाल, महिला एसआई पुष्पलता, सेवानिवृत एसआई रामकिशन, महिला एएसआई शीलावती, सेवानिवृत एएसआई विजय प्रकाश, एएसआई सुरेश कुमार, एएसआई शकील अहमद,





मुख्य अतिथि गृहराज्य मंत्री श्री आर.पी.एन. सिंह एवं म्बोधन भाषण के अंश एवं अन्य प्रमुख गतिविधियाँ

एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई विनोद कुमार, एएसआई सोमदेव, एएसआई बच्चू सिंह, एएसआई श्रीकांत नायर तथा एएसआई ज्ञानेन्द्र सिंह शामिल हैं।

पूर्व की भाँति इस वर्ष भी दिल्ली के सभी थानों की कार्यकुशलता, अभिलेख अनुरणक्ष, अनुशासन और साफ–सफाई जैसे बिदुंओं का आंकलन करके सर्वश्रेष्ठ तीन थानों का चयन किया गया। जिसमें सर्वश्रेष्ठ थाना जी.टी.बी.एन्कलेव के थानाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, द्वितीय सर्वश्रेष्ठ थाना राजेन्द्र नगर के थानाध्यक्ष मनीष जोशी और तृतीय सर्वश्रेष्ठ थाना के.एन. काटजू मार्ग के थानाध्यक्ष सतेन्द्र सांगवान को ट्राफी व नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि श्री आर.पी.एन. सिंह ने अपने सम्बोधन भाषण में कहा कि दिल्ली पुलिस देश के सर्वश्रेष्ठ पुलिस बलों में से एक है जो विभिन्न परिस्थितियों में भिन्न–भिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने दिल्ली पुलिस के फ्री रजिस्ट्रेशन, पारदर्शिता और अपने दायित्वों के प्रति उत्तरदायित्व की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस को राजधानी में ऐसा सुरक्षित और संरक्षित वातावरण बनाना चाहिए जिसमें देश के विभिन्न भागों से आए नागरिक स्वयं को सहज और सुरक्षित महसूस करें। पिछले दिनों लाजपत नगर इलाके में पूर्वोत्तर के एक छात्र के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की पुर्नावृत्ति न होने पाए, यह घटना हम सबके लिए सोचनीय है। उन्होंने जनसहयोग की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि पुलिस व जनता के बीच परस्पर ऐसे संबंध होने चाहिए कि कोई भी नागरिक बिना किसी संकोच के अपनी सूचना या शिकायत पुलिस के साथ बांट सके। उन्होंने भ्रष्टाचार और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की **'जीरो टोलरेंस'** पद्धति पर जोर देते हुए कहा कि नैतिक मूल्यों को अपनाएं। उन्होंने दिल्ली पुलिस को भरोसा दिलाया कि दिल्ली पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली और अच्छी नीतियों के लिए दिल्ली पुलिस की सभी योजनाओं एवं अनुरोधों पर सकारात्मक विचार किया जायेगा।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने समारोह के मुख्य अतिथि श्री आर.पी.एन.सिंह सहित अन्य सभी उपस्थित भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जवानों, उनके परिजनों और मीडियाकर्मियों का आभार प्रकट करते हुए 67वें पुलिस स्थापना दिवस की बधाई दी। अपने सम्बोधन भाषण में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली में **'फ्री रजिस्ट्रेशन'** और पुलिस व जनता के बीच बेहतर दोस्ताना संबंध बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के लिए बचनबद्ध है।



हस्त निर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी का उद्घाटन

16 फरवरी, 2014 को समारोह स्थल पर दिल्ली पुलिस कल्याण समिति द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी का मुख्य अतिथि श्री आर.पी.एन.सिंह ने उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में समिति के सदस्यों द्वारा हस्त निर्मित वस्तुओं जैसे भिन्न प्रकार के अचार, मोमबत्तियाँ, स्वेटर, मफ्लर, ग्रीटिंग कार्ड, कपड़े व तस्वीर आदि को प्रदर्शित किया गया। समारोह में मौजूद आमंत्रित अतिथियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शित वस्तुओं की प्रशंसा करते हुए वस्तुओं की खरीददारी भी की। समिति की अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी ने मुख्य अतिथि श्री आर.पी.एन.सिंह को प्रदर्शनी दिखाई और प्रदर्शनी में रखी वस्तुओं के बारे में बताया। श्रीमती सुनीरा बस्सी के साथ श्रीमती (डॉ) शुशी सिंह व श्रीमती गीता पाठक भी उपस्थित थीं।

समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं गतवर्ष के पुलिस पदक विजेताओं का सामूहिक चित्र

रेज़िंग-डे परेड़ की झलकियाँ

महिला कमांडो दस्ता

चिरपरिचित दिल्ली पुलिस बैंड

घुड़सवार दस्ता

श्वान दस्ता



मशहूर फिल्म अभिनेता श्री ऋतिक रोशन ने 3 मार्च, 2014 को पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से एक औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर पिछले दिनों दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू की गई Lost Report Application Web के बारे में श्री रोशन को बताते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी



3 मार्च, 2014 को नेपाल पुलिस के महानिदेशक ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार भेंट की। इससे पहले नेपाल पुलिस महानिदेशक ने टोडापुर स्थित यातायात पुलिस लाईन का दौरा किया और यातायात संकेतों के बारे में विस्तृत जानकारी हासिल की। दोनों वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने परस्पर अपना अपना पुलिस स्मृति चिन्ह भेंट किया।

जूडों-कराटे में पारंगत महिला एएसआई ने नेत्रहीन छात्रा को अगवा होने से बचाया



एएसआई किरण सेठी

19 फरवरी, 2014 की सुबह मध्य जिला के थाना आनंद पर्वत में तैनात एएसआई किरण सेठी ने राजेन्द्र नगर बस स्टॉप पर एक नेत्रहीन महिला से छेड़छाड़ और उसे अगवा करने का प्रयास करने वाले संदीप नामक युवक को दबोच कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर एक प्रशंसनीय कार्य को अंजाम दिया है। ए.एस.आई किरन सेठी ने न केवल एक सच्चे पुलिसकर्मी का फर्ज निभाया बल्कि इंसानियत का भी एक बेहतरीन व अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। घटना वाले दिन एएसआई किरण सेठी अपने दुपहिया से तीस हजारी अदालत जा रही थी कि राजेन्द्र नगर बस स्टॉप पर एक नेत्रहीन छात्रा को एक युवक जबरन एक तिपहिया में बैठा कर ले जाने का प्रयास कर रहा था। सादी वर्दी में किरण एक बार तो आगे निकल गई परन्तु उसे अहसास हुआ कि शायद कुछ गलत हो रहा है। वह तुरन्त वापिस लौटी और उस लड़की से पूछा कि क्या आप इस लड़के को जानती हो। लड़की ने बताया कि नहीं यह काफी देर से मुझे परेशान कर रहा है और मुझे कुछ समय के लिए अपने साथ ले जाने के लिए जबरदस्ती ऑटो में बैठाने की कोशिश कर रहा है। किरण के पूछने पर युवक ने उस लड़की का हाथ छोड़ते हुए किरण से कहा तुम अपना काम करो– ये हमारा आपस का मामला है' और हाथापाई पर उतर आया। जूड़ो में ब्लैक बेल्ट एएसआई किरण सेठी ने अपना परिचय देते हुए स्थानीय पुलिस को सूचित किया और एक नेत्रहीन लड़की को किसी हादसे का शिकार होने से बचाया। वर्ष 1987 में दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती होने वाली किरण सेठी अपने बैच की ऑल राउंडर और आउटडोर में प्रथम प्रशिक्षणार्थी रही थी। जीसस एंड मैरी कॉलेज से स्नातक व मानव अधिकार विषय में एम.ए. करने वाली एएसआई किरण सेठी ने पत्रकारिता में पीजी और योगा एंड नेचुरल पेथी में भी तीन वर्षीय डिग्री कोर्स कर रखा है। इसके अलावा जूड़ो कराटे व ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट किरण ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में कोच की डिग्री भी कर रखी है। एरोबिक्स कॉरियोग्राफर रही किरण ने 26 जनवरी, 1994 को पहली बार राजपथ पर स्कूली छात्राओं से एरोबिक्स का प्रदर्शन कराया था। जूड़ो कराटे में राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाली किरण ने वर्ष 1999 में जर्मनी में आयोजित किक बॉक्सिंग में दिल्ली पुलिस की तरफ से भाग लेकर न केवल दिल्ली पुलिस का बल्कि सम्पूर्ण भारत का नाम रोशन किया था। एएसआई किरण सेठी के सराहनीय रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें असाधारण कार्य पुरस्कार व नकद पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस के महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेनी वाली किरण सेठी न केवल दिल्ली पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण देती है बल्कि विद्यालयों और कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर छात्र–छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देती हैं। दिल्ली पुलिस परिवार को एएसआई किरण सेठी के जज्बे और पेशेवर निपुणता पर गर्व है।

बुलंद हौसलों की स्वामी हैडकां. ललिता मद्वाल ने अपनी प्रतिभा के बल पर परिभाषित किया है नारी शक्ति को



हैडकां0 ललिता मद्वाल

दक्षिणी जिला के स्पेशल टास्क फोर्स में तैनात हैडकां0 ललिता मद्वाल ने अपनी सर्वांगींण प्रतिभा के बल पर भारतीय नारी की शक्ति को परिभाषित कर न केवल पुलिस विभाग का नाम रोशन किया है बल्कि एक निपुण गृहिणी के दायित्वों को भी बखूबी निभाया है। हैडकां0 ललिता मद्वाल ने देश–विदेश में आयोजित हुई एथलीट चैम्पियनशिप की विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वर्ष 2013 में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एयरटेल हाफ मैराथन (35 से 40 वर्ष के बीच) प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली ललिता ने इसी वर्ष आयोजित दिल्ली स्टेट मास्टर एथलिट चैम्पियनशिप की 1500 व 5000 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। 24 से 28 फरवरी के बीच कोयम्बटूर (तमिलनाडू) में आयोजित 35वीं नेशनल मास्टरस् एथलिटस चैम्पिनशिप–2014 (35 से 40 वर्ष आयु के समूह) में 15 सौ मीटर में द्वितीय, 5 हजार मीटर में द्वितीय तथा 4/400 रिले दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली ललिता मद्वाल ने अगस्त 2014 में जापान में आयोजित होने वाली ऑल एशियन/वर्ल्ड मास्टरस् एथलिट् चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए क्वालिफाईंग टेस्ट पास किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और वर्ष 2000 में दिल्ली पुलिस में सिपाही पद पर भर्ती हुई ललिता ने अपराधियों की धर–पकड़ में अपने पुरूष सहकर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। डयूटी के प्रति उसके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा तथा खूंखार अपराधियों की गिरफ्तारी में उसकी अहम भूमिका को देखते हुए पुलिस विभाग ने उसे नकद पुरस्कार एवं असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित किया है। वर्ष 2000 में बेसिक ट्रैनिंग के बाद ललिता मद्वाल को वर्ष 2001 में कमांडो कोर्स के दौरान उन्हें अपने बैच का सर्वश्रेष्ठ कमांडो प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया। रेलवे विभाग में कार्यरत उनके पति भी राष्ट्रीय स्तर के एक अच्छे खिलाड़ी है और वे अपनी सुपुत्री मीरा को भी एक अच्छा खिलाड़ी बनाने के इच्छुक हैं। कोयम्बटूर में आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली हैडकां0 ललिता मद्वाल को न केवल विभाग द्वारा सम्मानित किया गया बल्कि उसकी सफलता की खुशी में उसके सहकर्मी भी शामिल हुए और उन्हें 11 हजार रूपये नकद देकर उसकी हौसला–अफज़ाई की है। दिल्ली पुलिस परिवार अगस्त 2014 में जापान में होनी वाली ऑल एशियन/वर्ल्ड मास्टरस् एथलीट् चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में उसके शानदार प्रदर्शन की शुभकामनाएँ प्रेषित करता है।

दिल्ली पुलिस की एक ऐतिहासिक पहल

दिल्ली के नागरिकों को सुविधा में एक ओर कदमः ऑन लाइन ''लॉस्ट रिपोर्ट''

27 फरवरी, 2014 को तालकटोरा स्टेडियम में भारत सरकार के **गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे** ने दिल्ली पुलिस द्वारा लॉच की गई ऑन लाइन ''लॉस्ट रिपोर्ट'' Web Mobile/Application का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंच पर उनके साथ **केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री आर.पी. एन.सिंह, उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग, आई.बी. के निदेशक श्री आसिफ इब्राहिम, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा (प्रशासन) विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री धर्मेन्द्र कुमार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री एस.बी.के.सिंह** उपस्थित थे। स्टेडियम के सभागार में दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त सहित अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। जबकि **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) श्री रविन्द्र कुमार यादव** ने मंच संचालन किया। **उपायुक्त पुलिस (सीआरओ/पीआरओ) श्री राजन भगत** ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में अहम भूमिका निभाई।



इस अवसर पर तालकटोरा स्टेडियम में दिल्ली पुलिस की सभी जिला/इकाईयों से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं जवान भी उपस्थित थे। लगभग 2500/3000 पुलिसकर्मियों से खचाखच भरे हॉल में लगी चार बड़ी–बड़ी टी.वी. स्क्रीनों के माध्यम से **'लॉस्ट रिपोर्ट'** दर्ज कराने की प्रक्रिया को समझाया गया। मुख्य अतिथि श्री सुशील कुमार शिंदे ने इसे एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि निःसंदेह, दिल्ली पुलिस, दिल्ली के नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्व है। अपनी इसी प्रतिबद्वता को और सुदृढ़ एवं कारगर बनाने हेतु दिल्ली पुलिस समाज में निरंतर हो रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए अपनी कार्यशैली में नवीनता और पारदर्शिता लाई है। दिल्ली पुलिस द्वारा Free registration की नीति के बाद आज वस्तुओं या दस्तावेजों की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए मोबाइल फोन या वेबसाइट से ऑन लाइन Lost Report दर्ज करने की एक अनूठी पहल की है, जो पुलिस एवं नागरिकों के परस्पर संबंधों में एक मील का पत्थर साबित होगी। मुझे विश्वास है कि यह योजना पुलिस व जनता के बीच के रिश्तों को और ज्यादा विश्वसनीय और दोस्ताना बनाएगी।

श्री शिंदे ने अपने सम्बोधन में कहा कि इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि दिल्ली पुलिस सदैव आधुनिकता की तरफ जागरूक व अग्रसर रही है और सिलसिलेवार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप जनहित के कदम उठा रही है। जैसा कि हम जानते हैं, कई बार जाने–अनजाने में खोई हुई वस्तु या दस्तावेज की सूचना पुलिस में दर्ज कराने के लिए पुलिस से सम्पर्क करना पड़ता है, उस समय नागरिकों को असुविधा तो होती ही है एवं उन्हें किसी दूसरे बुरे अनुभवों से भी गुजरना पड़ता है। बहुत से ऐसे मौके भी आते है जब व्यक्तिय को अपने सामान के गुम होने की जानकारी कुछ अंतराल बाद मिलती है या किसी विशेष अवसर या समय पर मिलती है तो उस समय उस व्यक्ति को जानकारी नहीं होती है कि उसका सामान किस समय व किस थाने के अधिकार क्षेत्र में गुम हुआ था। गुम हुई वस्तुओं या दस्तावेजों की पुलिस रिपोर्ट करना उस समय और भी अनिवार्य हो जाता है जब उनको जारी करने वाली प्राधिकार शक्ति, उस सामान या दस्तावेज के गुम होने की पुलिस रिपोर्ट प्रस्तुत करने की मांग करते हैं। विशेष कर जब व्यक्ति सफर में होता है या किसी पर्यटन आदि पर गया होता है। इस Application की एक विशेषता यह भी बताई गई कि यदि किसी व्यक्ति का सफर के दौरान मोबाइल फोन, लैपटॉप, पासपोर्ट या अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज गुम हो जाता है तो ऑनलाइन अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस सार्थक पहल की सफलता दिल्ली पुलिस का एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा।



उन्होंने कहा कि मैं इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी का विशेष तौर पर



धन्यवाद देना चाहूंगा जिनके दिशा–निर्देश में दिल्ली पुलिस ने नई तकनीक और संचार पद्धति का दिल्ली के लोगों के हित में सदुपयोग और उनकी परेशानियों को कम करने की एक शानदार पहल की है। इसके साथ ही वह टीम भी बधाई की पात्र है, और उन्हें मैं बधाई भी देना चाहूंगा, जिन्होंने इस योजना को मूर्तरूप देने में कड़ी मेहनत की है, जनहित में उसकी आवश्यकता को समझा है। यह योजना दिल्लीवासियों की सुविधा में एक बहुआयामी एवं कल्याणकारी योजना सिद्ध होगी। ऐसा मेरा विश्वास है। मैं दिल्ली पुलिस के इस सराहनीय कार्य के लिए पुनः आप सबको बधाई देता हूँ और इसकी सफलता की कामना करता हूँ।

Lost Report कानूनी रूप से एक प्रमाणिक दस्तावेज है। इस Application से Information Mobile या Website पर दर्ज करते ही Lost Report कुछ ही क्षणों में Digital Signature सहित प्राप्त हो जाएगी। Duplicate document issue करने वालों के लिए भी Verfication की व्यवस्था इसी में की गई है। दर्ज की गई जानकारी स्थाई तौर पर दिल्ली पुलिस के Server पर उपलब्ध रहेगी और केवल Lost Information No. डालकर उसका दुबारा Print कभी भी लिया जा सकेगा। इस Application के चालू होने से अब दिल्ली के नागरिकों को Lost Report दर्ज कराने में कोई परेशानी नहीं होगी। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट www.delhipolice.nic.in पर जाकर वहां Lost Report पर लिंक करने पर मांगे गये विवरण जैसे नाम, पिता/माता का नाम, पता व खोने वाले सामान का विवरण आदि लिखकर बटन दबायें और शिकायकर्ता के ईमेल आईडी पर डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त Lost Report प्राप्त हो जाएगी। अगर कोई व्यक्ति पुलिस को गलत सूचना देगा तो पुलिस उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाही कर सकेगी, ऐसा प्रावधान भी किया गया है। दिल्ली के नागरिकों के लिए इस कल्याणकारी योजना की वेबसाइट को मूर्तरूप देने में **उपायुक्त पुलिस पीआरओ/सीआरओ श्री राजन भगत व उपायुक्त पुलिस आई.टी सेंटर श्री महेश बत्रा** ने तथा उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई है।



राजीव चौक मैट्रो स्टेशन पर पुलिस सहायता बूथ का उद्घाटन



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने 4 मार्च, 2014 को राजीव चौक मैट्रो स्टेशन पर पुलिस सहायता बूथ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली मैट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंधन निदेशक श्री मंगू सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री एस.एन.श्रीवास्तव, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश कुमार मीणा, उपायुक्त पुलिस श्री संजय भाटिया डीएमआरसी के निदेशक श्री शरत शर्मा सहित दिल्ली पुलिस व डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली के सबसे व्यस्त मैट्रो स्टेशनों में से एक राजीव चौक पर प्रतिदिन लगभग 6 लाख यात्रियों का आवागमन होता है। भारी भीड़ में यात्रियों के सामान गुम होने, चोरी होने व जेबतराशी जैसी घटनाएँ



घटित होती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहाँ पुलिस चौकी खोली गई है ताकि यात्री अपने चोरी या गायब होने वाले सामान की गुमशुदगी रिपोर्ट यहां दर्ज करा सकें। अगर कोई गंभीर अपराध घटित होता है और उसमें एफआईआर दर्ज होनी होगी तो उस शिकायत को मैट्रो पुलिस स्टेशन को भेज दिया जायेगा। वर्तमान में दिल्ली में 8 मैट्रो पुलिस स्टेशन काम कर रहे हैं। महिला यात्रियों की समस्याएँ सुनने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया जाएगा। डीएमआरसी के प्रबंधन निदेशक श्री मंगू सिंह ने कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भविष्य में अन्य सभी इंटरचेंज मैट्रो स्टेशनों पर इस तरह के पुलिस सहायता बूथ खोले जायेंगे।



अच्छी तफ्तीश

हत्या, लूट, डकैती, अपहरण व टाडा जैसे संगीन मामलों में संलिप्त बदमाश मनोज सहरावत 20 वर्षो बाद अपराध शाखा के हत्थे चढ़ा

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह के दिशा–निर्देश में एसीपी श्री के.पी.एस. मल्होत्रा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह, इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिधूं, एसआई नीरज कुमार, एसआई संदीप, एसआई विजय, हैडकां0 अजीत, हैडकां. सुरेन्द्र, हैडकां0 करतार, हैडकां, संतराज तथा कां0 अजय, प्रवीण व बृजेश पांडे की टीम ने दर्जनभर से ज्यादा संगीन आपराधिक वारदातों में संलिप्त और पिछले 20 वर्षो से फरार चल रहे कुख्यात बदमाश मनोज सहरावत को नजफगढ–बिजवासन रोड़ पर स्थित लिंक रोड़ से गिरफ्तार करने में शानदार उपलब्धि हासिल की है। इस खतरनाक बदमाश के कब्जे से एक अत्याधुनिक पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस, 2 चले हुए कारतूस व एक एसयूवी वाहन बरामद किया है। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रविन्द्र यादव ने संवाददाताओं को बताया कि 24 मार्च, 2014 को पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि 1993 में रोहतक के मेहम में हुए दोहरे हत्याकांड और 35 लाख की लूट में शामिल कुख्यात बदमाश मनोज बिजवासन रोड से नजफगढ़ में किसी से मिलने आ रहा है। इस सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए इस बदमाश को दबोचने में कामयाबी मिली। 1994 में मनोज और उसके दूसरे बदमाश सेवली निवासी जगमाल ने मेरठ इलाके के एक विधायक की दो पुत्रियों को अगवा कर उनसे जबरन शादी कर ली थी। शादी के बाद दोनों बदमाश बेंगलूरु जाकर संजय व सुभाष नाम से वहाँ ढ़ाबा चलाकर रहने लगे। लेकिन कुछ समय बाद जगमाल वहां से लापता हो गया। बाद में मनोज भी वहां से ढ़ाबा बेचकर अहमदाबाद भाग आया और लूट की रकम से वहाँ पर प्रापर्टी का धंधा करने लगा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान में दर्ज कई संगीन मामलों में संलिप्त रहे इस बदमाश का इरादा पुनः अपराधिक गतिविधियों में शामिल होकर पुनः दिल्ली में अपराधिक वारदातों में सक्रिय होना था। मनोज ने 1991 में अपने भाई संजय व अन्य साथियों के साथ मिलकर बवाना निवासी एक व्यापारी सत्यवान उर्फ सत्ते के पुत्र का स्कूल से अपहरण कर उससे 5 लाख की फिरौती वसूल कर अपराध जगत में प्रवेश किया था। थाना बवाना के इस दर्जशुदा बदमाश मनोज की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2005 तक 75 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित कर चुकी

राष्ट्रीय स्तर का निशानेबाज़ लूटपाट व झपटमारी में गिरफ्तार

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री कुमार ज्ञानेश के नेतृत्व में एसीपी श्री संजीव तोमर की टीम इंस्पेक्टर अरविन्द कुमार, एसआई गुरमीत, एसआई दीपक मलिक, हैडकां0 रमेश, हैडकां0 अबरार, हैडकां0 हनुमान, कां0 परविन्दर, कां0 अशोक, कां0 हरजेन्द्र, कां0 सुरेन्द्र तथा कां0 अजय की टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 7 फरवरी, 2014 को कोहाट मैट्रो स्टेशन के निकट से तीन बदमाशों राहुल, सिद्धार्थ तथा संदीप सिंह बुंदराल को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता पायी है। हौज खास थाने में दर्ज एक मामले के अनुसार इन बदमाशों ने पांडव नगर निवासी रंजीत वर्मा नामक एक डाक्टर को एक षडयंत्र के तहत अगवा कर उसकी पिटाई करके उसका लैपटॉप, क्रेडिट कार्ड आदि भी लूट लिये। भविष्य में उससे रकम ऐंठने के उद्देश्य से उसका आपत्तिजनक वीडियो भी बना लिया था। संदीप नामक बदमाश वर्ष 2010 के दौरान केवल 10 माह के लिए जे.एंड.के पुलिस में हैडकां0 पद पर काम कर चुका है और राष्ट्रीय स्तर का निशानेबाज भी रहा है। वह देश–विदेश में कई राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग ले चुका है। राहुल व सिद्धार्थ दोनों सगे भाई बताये गये हैं। सिद्धार्थ ग्रीन पार्क इलाके में स्थित एक स्वीट्स शोप पर काम करता था और एक नाबालिग लडकी को अपने प्रेमजाल में फंसाकर बाद में उसे महेन्द्रगढ़ हरियाणा में 80 हजार रूपये में बेच दिया था। इस मामले में दो नाबालिगों को भी गिरफ्तार किया गया था परन्तु सिद्धार्थ ने बड़ी चालाकी से स्वयं को बचा लिया था, जबकि उस मामले का सूत्रधार सिद्धार्थ ही था। अपराध शाखा की टीम ने इन तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर कई मामलों का पटाक्षेप करने में सफलता प्राप्त की है।

प्रसिद्ध बदरीनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी को दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया

दक्षिण जिला के थाना महरौली में उतराखंड के प्रसिद्ध मंदिर बद्रीनाथ के मुख्य रावल (पुजारी) वी.केशवन नंबूदरी और एक अन्य सहयोगी को एक महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपित महिला का परिवार नंबूदरी का समर्पित भक्त है और बद्रीनाथ मंदिर में गहरी आस्था रखता है। इसके साथ आरोपी महिला का पारिवारिक व्यवसाय उत्तराखंड में ही है। महिला ने आरोप लगाया था कि जब उसे ज्ञात हुआ कि पुजारी केशवन डिलाइट होटल में ठहरे हुए है, तो वह उनसे मिलने तुरंत होटल पहुंची और जब उसने होटल के कमरे में प्रवेश किया तो उस समय पुजारी के साथी विष्णु प्रधान भी वहीं खड़े हुए थे। नंबूदरी ने विष्णु प्रधान को कमरे से बाहर जाने का इशारा किया और ज्यों ही वह बाहर गया तो उसकी विश्वास के बिल्कुल विपरित नंबूदरी ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। उस समय वह शराब के नशे में थे। 2 मई, 2009 को परंपरा और धार्मिक मान्यताओं के साथ धार्मिक अनुष्ठान के तहत वी.केशवन नंबूदरी को प्रधान रावल बनाया गया था।

एनसीआर में रेव पार्टी में नशीला पदार्थ एलएसडी सप्लाई करने वाला विदेशी नागरिक गिरफ्तार

अपराध शाखा के इंस्पेक्टर संजय गाडे व एसआई सुमित मलिक की टीम ने पहाड़गंज इलाके से एक विदेशी ग्रीस नागरिक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एलएसडी नामक मादक द्रव्य बरामद किया है। बताया गया है कि एलएसडी (लाइसर्जिक एसिड डाई इथायलामाइड) बेहद ही खतरनाक नशा है। इस नशे से मानसिक स्थिति खराब हो जाती है। नशा करने वाला बेकाबू हो जाता है और उसे पता ही नहीं होता कि वह क्या कर रहा है। शरीर सुन्न हो जाता है और इसका नशा घंटों तक रहता है। टुरिस्ट वीज़ा पर भारत आए इस अभियुक्त ने ग्रेटर कैलाश, डिफेंस कॉलोनी,साकेत व नेहरू प्लेस के अलावा सोहना रोड और नोएडा के कई फार्म हाउसों में इस मादक द्रव्य को सप्लाई किया था।

अपराध शाखा व कर्नाटक पुलिस के संयुक्त प्रयासों से कर्नाटक से अपहृत युवती को सकुशल बरामद किया जा सका

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री कुमार ज्ञानेश के दिशा–निर्देश में इंस्पेक्टर सुशील कुमार, एसआई सुरेन्द्र दलाल, एएसआई मुकेश त्यागी, हैडकां0 राजबीर सिंह, व ऋषि कुमार की टीम ने कर्नाटक पुलिस की एक टीम के आग्रह पर कर्नाटक से अपहृत एक युवती को महिपालपुर इलाके से सकुशल बरामद करने में कामयाबी हासिल की है। कनार्टक पुलिस के इंस्पेक्टर रविन्द्र शीरूर ने दिल्ली आकर अपराध शाखा को बताया कि 24 परगना, पश्चिमी बंगाल के एक युवक सुजाय देव (27) ने एक युवती को अपने प्रेमजाल में फंसा कर 20 फरवरी, 2014 को दिल्ली लाकर उसका अपहरण कर लिया है और उसकी सकुशल रिहाई के लिए 10 लाख रूपये की फिरौती मांग रहा है। दिल्ली लाने से पूर्व इस युवक ने अपहृत युवती से 3 लाख रूपये नकद और 100 ग्राम सोने के आभूषण ऐंठ लिये थे। ऐंठी गई नकदी और आभूषण अपने पास रख कर इस युवक ने युवती से छिपकर उसके परिजनों को फोन कर लड़की की सकुशल रिहाई के लिए 10 लाख रूपये की फिरौती की मांग की हैं। अपराध शाखा की टीम ने तत्काल कार्यवाही करते हुए इलैक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से पता लगाया कि युवक महिपालपुर इलाके में मौजूद है। संयुक्त पुलिस टीम ने महिपालपुर में कई जगहों पर छापे मारे और आखिरकार लड़की को सकुशल बरामद करते हुए अपहरणकर्ता युवक सुजाय देव को भी गिरफ्तार करने में सफलता पायी। अपराध शाखा की इस टीम की त्वरित कार्यवाही से कर्नाटक पुलिस भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकी।

अच्छी कामयाबी

इंडियन मुजाहिद्दीन आतंकी संगठन के अति-वांछित पाकिस्तानी आतंकवादी "जियाउर रहमान उर्फ वकास" को उसके तीन अन्य साथियों सहित राजस्थान से गिरफ्तार करने में स्पेशल सेल टीम की शानदार सफलता

स्पेशल सेल की एक जांबाज और पेशेवर कार्यकुशलता में निपुण पुलिस टीम ने अजमेर, जयपुर और जोधपुर से चार खतरनाक आतंकवादियों को गिरफ्तार करने में शानदार व एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। स्वयं केन्द्रीय गृहमंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे ने इन आतंकवादियों की गिरफ्तारी को दिल्ली पुलिस की एक बड़ी सफलता बताया है। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारियों एवं टीम के सदस्यों को इस सफलता के लिए मुबारकबाद दी है। 23 मार्च, 2014 को विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन.श्रीवास्तव ने पुलिस मुख्यालय में संवाददाताओं को इन आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। टीम का नेतृत्व कर रहे उपायुक्त पुलिस संजीव कुमार यादव भी इस मौके पर उनके साथ उपस्थित थे। पकड़े गए आतंकियों में शामिल हैः जिया उर रहमान उर्फ वकास (25) निवासी मुस्तफाबाद, पाकिस्तान ने फूड टेक्नोलॉजी में डिप्लोपा, 2. मोहम्मद महरूफ(21) निवासी जगतपुरा जयपुर विवेकानंद इंस्टीटूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग, 3 मोहम्मद वकार अजहर उर्फ हनीफ निवासी सीतापुरा जयपुर स्थित ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग तथा 4. साकिब अंसारी उर्फ खालिद (25) निवासी जोधपुर कम्प्यूटर डीटीपी तथा डिजाइन प्रिंटिंग का काम। इन आतंकवादियों की गिरफ्तारी में राजस्थान पुलिस की भूमिका भी सराहनीय रही है। जिसने इन चारों आतंकवादियों की गिरफ्तारी में स्पेशल सेल की टीम की यथासंभव मदद की। स्पेशल सेल की टीम द्वारा दो कुख्यात आतंकवादी अहमद शिद्दबप्पा जरार उर्फ यासीन भटकल तथा असादुल्ला अख्तर उर्फ हड्डी से पूछताछ पर पता चला था कि भारत के विभिन्न स्थानों पर हुए बम विस्फोट, फायरिंग और आतंकी वारदातों में वकास का हाथ है। इस आतंकवादी की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल सेल की टीम पिछले कई महीनों से कर्नाटक, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र व राजस्थान में जी तोड़ मेहनत कर रही थीं 21 मार्च, 2014 को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने 22 मार्च की सुबह पाकिस्तानी नागरिक जियाउर रहमान उर्फ वकास को अजमेर स्टेशन से दबोचा। वकास की निशानदेही पर जयपुर से महरूफ एवं वकार को तथा साकिब को जोधपुर से गिरफ्तार किया गया। विभिन्न आतंकी वारदातों में संलिप्त रहे पाकिस्तानी आतंकवादी जिया उर रहमान उर्फ वकास के बारे में बताया गया है कि 19 सितम्बर, 2010 को जामा मस्जिद फायरिंग, 7 दिसम्बर, 2010 को वाराणसी शीतला घाट ब्लास्ट, 1 अगस्त, 2012 को पुणे में श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों, 13 जुलाई, 2011 को मुंबई के ओपेरा हाउस, झावेरी बाजार तथा कबूतरखाना इलाके में बम विस्फोट, 21 फरवरी, 2013 को हैदराबाद के दिलसुख नगर में विस्फोट जैसी कई घृणित वारदातों में शामिल रहा है। फैसलाबाद (पाकिस्तान) स्थित कॉलेज से फूड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा लेने के दौरान भारत–पाक विभाजन के दौरान के हुए कत्लेआम की कहानियॉ सुनने के बाद जेहादी संगठनों के सम्पर्क में आये वकास ने लश्कर के नौशेरा स्थित ट्रैनिंग कैम्प में 21 दिन की ट्रैनिंग ली। हाइड्रोजन, पेरोक्साइड, पोटेशियम क्लोराइड और अमोनियम नाइट्रेट से आईईडी बम बनाने में निपुण बनने के बाद वकास को जैश–ए मोहम्मद के अब्दुल रहमान ने कराची में इंडियन मुजाहिद्दीन के चीफ अहमद शिद्दीबप्पा जहार उर्फ यासिन भटकल से मिलाया था। भटकल बंधुओं ने वकास का इस्तेमाल भारत में तबाही मचाने और इंडियन मुजाहिद्दीन के सदस्यों को बम बनाने की ट्रैनिंग देने में किया। वांछित आतंकवादी वकास से पूछताछ के दौरान 10 लाख के एक अन्य इनामी आतंकी तहसीन उर्फ मोनू के बारे में भी महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। इन आतंकवादियों के कब्जे से लगभग 25 किलोग्राम संदिग्ध विस्फोटक, 400 डेटोनेटर, 10 घड़ियॉ, 550 ग्राम बाल बेयरिंग, 32 तैयार सर्किट,100 ग्राम छोटी कील, बैटरी, मैग्नशियम सल्फेट, सोडियम क्लोराइड, सोल्डरिंग रॉड, मलीमीटर, ट्रांजिट सर्किट, लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, जेहादी दस्ता व पुस्तकें आदि जब्त की गई है। वकास से पूछताछ के आधार पर स्पेशल सेल की टीम ने आईएम के सरगना और बोधगया व पटना सहित कई स्थानों पर बम धमाकों के आरोपी तहसीन अख्तर उर्फ मोनू को दार्जिलिंग के निकट नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया। इस संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन. श्रीवास्तव ने 25 मार्च, 2.014 को पुनः संवाददाताओं को बताया कि आईएम और सिमी के बीच कड़ी का काम कर रहा मोनू आईएम संस्थापक यासीन भटकल की गिरफ्तारी के बाद आईएम का मुखिया बना। वह नेपाल भागने का प्रयास कर रहा था।

लाजपत नगर इलाके में दिन–दहाड़े हुई लगभग पौने 8 करोड़ की सनसनीखेज डकैती की वारदात को सुलझाने में स्पेशल सेल की टीम को मिली उल्लेखनीय कामयाबी

28 जनवरी, 2014 को प्रातः थाना लाजपत नगर इलाके में मूलचंद फ्लाईओवर के निकट हरियाणा नम्बर प्लेट लगी दो कारों में सवार 7 बदमाशों ने लगभग पौने आठ करोड़ रूपये उस समय लूट लिये जब यह भारी रकम एक होंडा सिटी कार में ग्रैटर कैलाश इलाके से करोल बाग स्थित बैंक में जमा कराने के लिए ले जायी जा रही थी। शिकायतकर्ता कालका जी निवासी राकेश कुमार ने लाजपत नगर थाने में रिर्पोट दर्ज कराई थी कि वह तीन करोड, एक लाख बयालिस हजार रूपये लेकर, ग्रेटर कैलाश स्थित हेमकुंड कॉलोनी में रहने वाले अपने परिचित राकेश कालरा के घर पहुंचा था। जहां से उसने और चार करोड़, उनसठ लाख रूपये होंडा सिटी कार में रखे थे। राकेश कालरा के कुछ कर्मचारी हुदई आई–20 कार में होंडा सिटी कार के पीछे चल रहे थे। जब वे मूलचंद फ्लाईओवर के निकट पहुंचे तो वैगन–आर एवं हुदैई वरना कारों में सवार बदमाशों ने बंदूक की नोंक पर होंडा सिटी कार में सवार यात्रियों को उतार कर कार ले भागे। बदमाशों द्वारा प्रयुक्त वैगन आर कार मौके पर हुदैई वरना कार डिफेंस कॉलोनी फ्लाईओवर के निकट लावारिस खड़ी मिली। जबकि होंडा सिटी कार सेवा नगर क्रासिंग के निकट लावारिस खडी पाई गई। इस वारदात में प्रयुक्त हुदैई वरना कार इससे पहले भी थाना मुंडका में दर्ज एक लूटपाट व अपहरण के एक मामले में भी प्रयोग की गई थी। इस संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन. श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि दिल्ली में हुई सबसे बड़ी डकैती की वारदात को सुलझाने में स्पेशल सेल की तेज–तर्रार टीमों ने अथक प्रयास किया। **इंस्पेक्टर ललित मोहन नेगी, इंस्पेक्टर हृदय भूषण, इंस्पेक्टर चन्द्रिका थपलियाल तथा इंस्पेक्टर रमेश लाम्बा** की टीम को मदनगीर निवासी शक्ति नायडू और कराला निवासी प्रदीप उर्फ मछेन्द्र के बारे में जानकारी मिली। इसके साथ ही सूचना मिली कि वारदात में शामिल तीन संदिग्ध बदमाश चंडीगढ़ पहुंच गये हैं। स्पेशल सेल की टीम ने चंडीगढ़ पुलिस व अपने गुप्तचर की मदद से मोहाली स्थित फोर्टिस अस्पताल से तीन संदिग्ध बदमाशों प्रवीण, गुलजार उर्फ भोला तथा तिलक राज उर्फ टिंकू को गिरफ्तार करने में सफल रही। पूछताछ पर पता चला कि इस वारदात का मास्टरमांइड शक्ति नायडू और उसका बदमाश साथी प्रदीप उर्फ मछेन्द्र है और उन्हें इस रकम के बारे में सूचना पीड़ित राकेश कुमार के यहां काम करने वाले एक नाबालिग लड़के ने मदनगीर निवासी अजय को दी थी। अजय ने यह सूचना अपने मामा शक्ति नायडू को दी। नायडू ने यह सूचना अपने करीबी दोस्त और दर्जशुदा बदमाश प्रदीप उर्फ मछेन्द्र के साथ शेयर की। इन दोनों ने मिलकर सतीश त्रिपाठी, तिलकराज उर्फ टिंकू तथा जोगेन्द्र उर्फ जोनी के डकैती का षडयंत्र रचा। 27 जनवरी को पूरे गिरोह ने वारदात को अंजाम देने के लिए पूरी तैयार की और मोबाइल फोन व कार आदि का इंतजाम किया। एक मोबाइल फोन उस नाबालिग को भी दिया गया जिसने रकम को लेकर चलने आदि के बारे में पूरी सूचना इन लोगों को दी और उन्होंने इस डकैती की वारदात को अंजाम दिया। डकैती की वारदात को अंजाम देने के बाद गिरोह के सदस्य इधर–उधर हो गये। इसी बीच दक्षिण–पूर्वी जिला के स्पेशल स्टाफ ने तीन बदमाशों जोगेन्द्र उर्फ जोनी, अजय तथ सुनील उर्फ काके को गिरफ्तार कर उनसे कुछ नकदी और एक नई मोटरसाइकिल बरामद कर ली। उन्हें स्पेशल सेल ने अपनी गिरफ्त में ले लिया और पूछताछ की। अजय ने पूछताछ पर बताया कि लूट की कुछ रकम प्रदीप के जानकार के पास नांगलोई में छुपा रखी है। पूछताछ में यह भी पता चला कि पुलिस स्टेशन खेड़की धौला, गुडगांव के एक हैडकां0 संदीप ने उसे टैक्सी चालक का किराया नहीं देने के आरोप में पकड़ लिया परन्तु उसने लूट की रकम अपने पास रख कर उसे भगा दिया। बाद में हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने पर हैडकां0 संदीप को भी गिरफ्तार किया गया। इस पूरी वारदात में पुलिस टीम ने कुल 13 बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए 4.67 लाख रूपये की नकदी बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। 3 मार्च, 2014 को एक बदमाश प्रदीप उर्फ मछेन्द्र को सुल्तानपुरी इलाके से गिरफ्तार किया गया जहां उसने पुलिस टीम पर फायरिंग भी कर दी थी। इस बदमाश ने डकैती की कुछ रकम अपने एक परिचित को प्रापर्टी में लगाने के लिए दे दी थी। पुलिस टीम डकैती में लूटी गई वास्तविक रकम, गिरफ्तार बदमाशों से उनके सहयोगियों और उनकी पिछली संलिप्तता के बारे में जानकारी हासिल कर रही है।

स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर वुमन एंड चिल्ड्रेन शाखा की प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी बसों में सफर कर महिला यात्रियों के बीच सुरक्षा का अहसास करायेंगी।



दिल्ली पुलिस की विशेष पुलिस इकाई (महिला एवं बाल), अपराध शाखा में तैनात प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मियों ने एक विशेष अभियान के तहत 20 फरवरी, 2014 से दिल्ली की बसों में सफर करना शुरू किया है। इस विशेष अभियान का मकसद बसों में महिलाओं के साथ छेड़छाड़ रोकने, चेन या पर्स स्नेचरों पर अंकुश लगाने और महिला यात्रियों में आत्मविश्वास जागृत करना है। इस संबंध में **उपायुक्त पुलिस श्रीमती वर्षा शर्मा** ने इस अभियान के बारे में बताया है कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण में पारंगत और सेल्फ डिफेंस की प्रभारी महिला निरीक्षक शिवानी के नेतृत्व में चार महिला पुलिसकर्मी सादी वर्दी में बसों में सफर करेंगी और बसों में महिलाओं की सुरक्षा का जायजा लेंगी। महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम बस के पीछे चलेगी जो किसी भी प्रकार का अंदेशा नजर आने पर त्वरित कार्यवाही करेगी। इस अभियान के तहत ऐसी बसों को सफर के लिए चुना जाएगा जिनमें सबसे ज्यादा महिलाएँ एवं छात्राएँ सफर करती होंगी। जिससे कि महिला यात्री खुद को सुरक्षित महसूस भी करें और उनमें आत्मविश्वास भी जागृत हो।

स्कूली बच्चों के माध्यम से चालकों/अभिभावकों व पड़ोसियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की शानदार पहल



दिल्ली पुलिस सप्ताह के दौरान दिल्ली यातायात पुलिस के रोड सेफ्टी क्लब के सौजन्य से तीन मूर्ति स्थित ऑडिटोरियम में 18 फरवरी, 2014 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति श्री दिनेश सिंह, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला, रोड सेफ्टी क्लब से जुड़े स्कूलों के प्राचार्यो, अध्यापकों और बच्चों ने भाग लिया। यातायात पुलिस ने दूसरी संस्थाओं के साथ मिलकर लगभग 400 स्कूलों के करीब डेढ़ लाख बच्चों को यातायात नियमों के प्रति प्रशिक्षित किया है। इसका मकसद विद्यालय स्तर पर बच्चों में ट्रैफिक नियमों का बेहतर तरीके से समावेश कर उन्हें अन्य चालकों, पैदल यात्रियों, अभिभावकों और पड़ोसियों में प्रचार–प्रसार करना है।



इस अवसर पर कुलपति श्री दिनेश सिंह ने कहा कि बच्चों में सीखने की एक विशेष ललक होती है और यदि बच्चों को अभी से ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी दे दी जाए तो निःसंदेह आने वाले समय में इस सबक को याद रखते हुए अच्छे चालक सिद्ध होंगे।

पुलिस सप्ताह के दौरान ही 21 फरवरी, 2014 को इंडिया गेट पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान श्री कपिल देव ने बच्चों को ट्रैफिक नियमों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 34 स्कूलों के लगभग 868 बच्चों ने भाग लिया और यातयात नियमों से संबंधित अपने मनोभावों को चित्रों के माध्यम से कागज़ पर उतारा।

विदेशी पर्यटकों/नागरिकों की सुविधा के लिए नया हैल्पलाइन नम्बर



दिल्ली पुलिस ने राजधानी मे विदेशी पर्यटकों/नागरिकों की सुविधा के लिए एक नया हैल्पलाइन नं0 8750871111 शुरू किया है। चौबीसों घंटे व सातों दिन चलने वाले इस नए नम्बर पर केवल विदेशी पर्यटक/नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मुकेश मीणा के अनुसार इस हैल्पलाइन नं पर उप–निरीक्षक स्तर का पुलिकर्मी विदेशी पर्यटकों/नागरिकों की शिकायतें सुनेगा। इसके अतिरिक्त एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जा रहा है जो विदेशी पर्यटकों की शिकायतों पर कार्यवाही करेगा। इस हैल्पलाइन नं0 को शीघ्र ही दिल्ली पुलिस की वैबसाइट पर डाला जा रहा है।

पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन शुरू

दिल्ली पुलिस ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी मदद करने के उद्देश्य से एक हेल्पलाइन शुरू की है। 5 लाइनों वाले इस नए हेल्पलाइन नं0 1093 का मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने और किसी गलतफहमी से बचने के लिए किया गया है। इस नम्बर के अलावा संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबू के नेतृत्व में जिलों के उपायुक्त पुलिस को नोडल पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिसकर्मियों की एक टीम बनाने पर विचार किया जा रहा है जो पूर्वोत्तर लोगों की शिकायतों को समझ सके, उन्हें मार्ग–निर्देशित कर सकें और उनके साथ अच्छा संवाद स्थापित कर सके।

अखिल भारतीय पुलिस एवं अर्ध–सैनिक बलों के बीच कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता आयोजित



दिल्ली पुलिस कराटे अकादमी ने 8 फरवरी, 2014 को अखिल भारतीय पुलिस बल एवं अर्ध सैनिक बलों के बीच कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया। नई पुलिस लाइन किंग्जवे कैम्प स्थित सामुदायिक केन्द्र में आयोजित इस प्रतियोगिता में दिल्ली, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हरियाणा की पुलिस टीमों के अलावा एनएसजी, आईटीबीपी और सीआरपीएफ की टीमों के लगभग 100 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन अकादमी के **अध्यक्ष विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा** ने किया। इस अवसर पर दिल्ली ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री कुलदीप वत्स और दिल्ली पुलिस कराटे अकादमी के सचिव हैडकां0 राकेश पाल भी उपस्थित थे।



इस प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस टीम ने एक स्वर्ण पदक, चार रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। ऐसी प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को शारीरिक और मानसिक तौर पर मजबूत व स्वस्थ बनाना है।

हमारी आचार संहिता

पुलिस विभाग में अनुशासन का वही स्थान है, जो शरीर में रक्त का। जैसे दूषित रक्त से शरीर में अपंगता आ जाती है, ठीक उसी प्रकार से पुलिस जैसे अनुशासित विभाग के किसी भी तंत्र में अनुशासनहीनता आने पर उसमें शिथिलता आने लगती है। इसलिए पुलिस में अनुशासन और शरीर में रक्त का संचालन सदैव बना रहना अति आवश्यक है।

156 सहायक वायरलैस परिचालक व 288 प्रशिक्षु सिपाही प्रशिक्षण समाप्ति के बाद पुलिस परिवार में शामिल


समारोह के मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार वर्मा


परेड़ का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार वर्मा


शपथ ग्रहण करते प्रशिक्षणार्थी

31 मार्च, 2014 को झाड़ौदा कंला स्थित पुलिस प्रशिक्षण कॉलेज मे पासिंग आउट परेड़ का आयोजन किया गया। जिसमें 156 सहायक वायरलैस परिचालकों व 288 प्रशिक्षु सिपाहियों ने शपथ ग्रहण कर दिल्ली पुलिस परिवार की पूर्ण सदस्यता प्राप्त की। **मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री आलोक कुमार वर्मा** ने परेड़ की सलामी ली। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री जे.के. शर्मा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री एस.एन. श्रीवास्तव, श्री ताज हसन, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के. सिंह, श्री एस.बी.के.सिंह, श्री संदीप गोयल, श्री मुक्तेश चन्द्र तथा श्री टी.एस. लूथरा** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थियों के परिजन उपस्थित थे। विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री किशन कुमार व पीटीसी के प्रधानाचार्य श्री रोबिन हिब्बू के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शानदार एवं भव्य परेड़ का प्रदर्शन किया गया। **मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार वर्मा** ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए अपने सम्बोधन भाषण में कहा कि देश की राजधानी होने के कारण दिल्ली में आतंकवादी गतिविधियों से निपटने, कानून व्यवस्था बनाए रखने व यातायात के सुचारू संचालन जैसी चुनौतियों से निपटने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। पुलिस की कार्यशैली में संचार व्यवस्था की भी अहम भूमिका है। महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान–प्रदान चाहे वह चैक–पोस्टों पर तैनात कर्मियों द्वारा जाती हो, आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित हो या फिर यातायात संचालन से संबधित हो, समय पर दी गई सही व उचित सूचना काफी उपयोगी सिद्व होती है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति अपने दायित्व को सदैव ध्यान में रखें। जनता के साथ सदैव दोस्ताना, विश्वसनीय और सहायतापूर्ण व्यवहार बनाए रखें और उनकी कानूनसम्मत मदद करें। किसी भी प्रकार के भेदभाव से उपर उठकर पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें।

156 सहायक वायरलैस परिचालकों में दिल्ली (61), हरियाणा (54), उत्तर प्रदेश (31), राजस्थान (07) तथा बिहार (3) राज्य के प्रशिक्षणार्थियों में एक एमबीए, एक एमसीए, 14 बीटेक, 2 इलैक्ट्रोनिक में डिप्लोमा, एक बी.फार्मा, 9 बीसीए, 23 बी.एससी, 32 बीए तथा 73 बाहरवीं कक्षा जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त युवक एवं युवतियॉ शामिल हैं। इसी तरह 288 प्रशिक्षु सिपाहियों में दिल्ली (72), हरियाणा (81), उत्तर प्रदेश (61), राजस्थान (68), उतराखंड (1), पंजाब (1), उड़ीसा (1) तथा बिहार (1) राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रशिक्षणार्थियों में 7 एम.ए, 2 बी.टेक, 6 बीएड्, 2 बीसीए, 3 बीबीए, 88 स्नातक तथा 180 बारहवीं पास युवक एवं युवतियाँ शामिल हैं। सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व पुलिस परिवार में शामिल होने पर दिल्ली पुलिस में अनेकता में एकता की कहावत परिभाषित होती है।

मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार वर्मा ने सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को ट्राफी एवं प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। वायरलैस परिचालकों में हैडकां0 नवीन कुमार को ऑल राउंड बैस्ट, हैडकां0 आशू को आउटडोर में प्रथम तथा हैडकां0 दीपक को परेड कमांडर के तौर पर श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया जबकि प्रशिक्षु सिपाहियों में महिला कां0 मीता कुमार को ऑल राउंड बैस्ट, कां0 सिद्धार्थ परेड में, कां0 सुखबीर सिंह को पीटी में, कां0 नागेन्द्र कुमार व कां0 जितेन्द्र दोनों को मानव व्यवहार व समाज विज्ञान तथा कां0 सुशील कुमार को फायरिंग में श्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी घोषित किया गया।



स्थानांतरण, पदोन्नति एवं स्थाईकरण संबंधी खबरें

श्रीमती गरिमा भटनागर (1994) अरूणाचल प्रदेश से वापसी पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (विशेष शाखा) **श्री के.सी. द्विवेदी** (1995) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस विशेष शाखा से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सुरक्षा) **श्री ए.एस. चीमा** (2000) उपायुक्त पुलिस भ्रष्टाचार से उपायुक्त पुलिस (यातायात.एन.आर)।

25 फरवरी, 2014 को जारी स्थानांतरण आदेशः श्री किशन कुमार (एग्मू 1985) गोवा से स्थानांतरित होने पर विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) **श्री जी.सी. द्विवेदी** (एग्मू 1996) भ्रष्टाचार निरोधक शाखा से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सतर्कता शाखा) **श्री अशोक चांद** (एग्मू 1998) प्रतिनियुक्ति से लौटने पर अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (अपराध) **श्री पी.सी.होता** (एग्मू 2000) उपायुक्त पुलिस (सतर्कता शाखा) से उपायुक्त पुलिस (एसपीयूडब्लूएसी) **श्री अरूण कंपानी** (एग्मू 2000) चंडीगढ़ से लौटने पर उपायुक्त पुलिस (लीगल सेल,पीएचक्यू) **श्री भैरों सिंह गुर्जर** (एग्मू 2003) पुद्दुचेरी से वापिस लौटने पर उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा–1) **श्री जोन निइलाइया** (एग्मू 2003) उपा.पुलिस डी.ई.सैल से अति.उपा.पु (नई दिल्ली जिला–1) **श्री संग नोरबू मोसोबी** (एग्मू 2003) उपायुक्त पुलिस सुरक्षा से उपायुक्त पुलिस (प्रथम वाहिनी) **श्री सुवाशीष चौधरी** (एग्मू 2003) दिल्ली पुलिस में वापिस लौटने पर (उप–प्रधानाचार्य/पीटीसी) **श्री वीनू बंसल** (एग्मू 2004) अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा–11) **श्री आर.ए.संजीव** (एग्मू 2005) पुद्दुचेरी से वापिस लौटने पर उपायुक्त पुलिस (सतर्कता शाखा) **श्री विक्रमजीत सिंह** (एग्मू 2006) अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर अति.उपा. पु. (बाहरी जिला 1) **श्री पुष्पेन्द्र कुमार** (एग्मू 2006) अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर अति. उपा.पु. (दक्षिण–पूर्वी जिला1) **श्री मोहम्मद अख्तर रिज़वी** (दानिप्स 1997) अति.उपा.पु. बाहरी जिला से अति.उपा.(सुरक्षा पी.एम) **डॉ0 जी.राम.गोपाल नायक** (दानिप्स 2002)अति.उपा.पुलि. उत्तर–पूर्वी जिला से अति.उपा. (यातयात एनडीआर) **श्री हरीश एच.पी.** (दानिप्स 2004)अति.उपा.पुलिस सुरक्षा से अति.उपा.पु.पूवी जिला –11) **श्री गौरव शर्मा** (एग्मू 2009) उपायुक्त पुलिस–1 दक्षिण–पूर्वी जिला से स्थानांतरित होने पर मिजोरम के लिए पदमुक्त. **श्री जसमीत सिंह** (एग्मू 2009) उपायुक्त पुलिस–1 उत्तरी जिला से स्थानांतरित होने पर अरूणाचल प्रदेश के लिए पदमुक्त।

श्रद्धांजलि

दिसम्बर–13 व जनवरी–14 माह के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 27 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन दिवंगत साथियों के प्रति पुलिस परिवार श्रद्धा–सुमन अर्पित करते हुए उनके आश्रितों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **दिसम्बर माह में दिवंगत पुलिसकर्मीः**– एसआई रामकिशन (नई दिल्ली जिला), एसआई अशोक कुमार व हैडकां0 दलबीर सिंह (पीसीआर), एएसआई अजय कुमार शर्मा (संचार शाखा), हैडकां0 अशोक कुमार व एमटीएस सोहन पाल (दक्षिणी जिला) हैडकां0 गोविन्द सिंह (उत्तरी जिला), कां0 कृष्ण कुंचोरिया (पीटीसी) कां0 पवन कुमार व एमटीसी बलवंत सिंह (बाहरी जिला) तथा हैडकां0 रामचन्द्र (चतुर्थ वाहिनी) **जनवरी माह में दिवंगत पुलिसकर्मीः**– एसआई अनंगपाल सिंह (सुरक्षा), एएसआई रामवीर सिंह, हैडकां0 सुरेश चंद व हैडकां0 प्रकाशचंद्र (पीसीआर), हैडकां0 दिलबाग सिंह व हैडकां0 स्वर्ण सिंह (मध्य जिला), एसआई कंचन सिंह व कां0 अनिल कुमार (पूर्वी जिला), एएसआई अशोक कुमार व हैडकां0 ज्ञानसिंह (उत्तर–पूर्वी जिला), हैडकां0 जगदेव सिंह (नई दिल्ली जिला), एएसआई जगबीर सिंह (यातायात), कां0 रवि कुमार (उतर–पूर्वी जिला), हैडकां0 हीरा लाल व हैडकां0 मुकेश कुमार (दक्षिणी जिला) तथा कां0 सुमित कुमार (पश्चिमी जिला)।

पदोन्नति : 34 इंस्पेक्टर तदर्थ आधार पर एसीपी पदोन्नत

3 मार्च, 2014 को पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार 34 निरीक्षक (कार्यकारी) को तदर्थ आधार पर सहायक आयुक्त पुलिस के पद पर पदोन्नत किया गया है। **पदोन्नत होने वाले निरीक्षकों में शामिल हैंः** श्री सैयद अब्दुल रशीद, श्री रामकिशन यादव, श्री सत्यप्रकाश कुकरेती, श्री राजेश कुमार निर्इथानी, श्री तेजपाल सिंह तोमर, श्री ऋषि देव बुद्धवार, श्री संतोष कुमार सिंह, श्री रामदल,श्री विरेन्द्र सिंह यादव, श्री निरंजन सिंह, श्री कृष्ण लाल, श्री संजीव गुप्ता, श्री अनिल कुमार मित्तल, श्री सत्यपाल सिंह, श्री राजबीर शर्मा, श्री सुरेन्द्र कुमार, श्री मगन सिंह शेखावत, श्री नफेसिंह, श्री धर्मबीर सिंह, श्री धर्मपाल सिंह,श्री वेदभूषण शर्मा, श्री वेदसिंह मलिक, श्री अशोक कुमार त्यागी, श्री रविन्द्र कुमार, श्री मख्खन सिंह, श्री जगदीश यादव, श्री अभयसिंह, श्री सुखविन्द्र सिंह, श्री सुशील त्यागी, श्रीमती ओमवती मलिक, श्रीमती यशोदा रावत, श्रीमती कमला देवी, श्रीमती मीरा शर्मा तथा श्रीमती सुरेन्द्र जीत।

माह नवम्बर व दिसम्बर, 2013 के चयनित 36 सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां /कांस्टेबल को प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

पुलिस मुख्यालय द्वारा 19 फरवरी 2014 को जारी एक परिपत्र के अनुसार दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 36 हैडकां व कांस्टेबलों का सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कां0 के रूप में चयन कर उन्हें 8 हजार रूपये से लेकर 20 हजार रूपये तक के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा चयनित सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां/कां0 को पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी द्वारा स्वीकृत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। **पुरस्कृत होने वालों में शामिल हैं** :– एसआई राजेन्द्र सिंह, कां0 हरेन्द्र, कां0 राजबीर सिंह, कां0 प्रदीप तथा कां0 राम प्रसाद (उत्तरी जोन पीसीआर) तथा एएसआई जगन्नाथ व हैडकां0 विक्रम सिंह (दक्षिण–पश्चिम जोन पीसीआर)

नवम्बर माह के पुरस्कृत पुलिसकर्मीः कां0 अरविन्द मलिक (थाना जगतपुरी पूर्वी जिला), कां0 संदीप यादव (थाना नंद नगरी उतर–पूर्वी जिला), कां0 संदीप (थाना बसंत विहार दक्षिणी जिला), हैडकां0 सतेन्द्र सिंह (थाना सनलाईट कॉलोनी दक्षिण–पूर्वी जिला), कां0 रंजीव कुमार (थाना निहाल विहार, पश्चिमी जिला), कां0 शैलेन्द्र कुमार (थाना द्वारका दक्षिण–पश्चिमी जिला), हैडकां0 प्रवीण कुमार (थाना जहांगीरपुरी–उत्तर–पश्चिमी जिला), कां0 दिनेश कुमार (थाना नरेला–बाहरी जिला), हैडकां0 कन्हैया लाल मीणा (थाना चांदनी महल–मध्य जिला) कां0 अजय पाठक (थाना लाहौरी गेट–उत्तरी जिला), कां0 हसंराज मीणा (थाना कनॉट प्लेस–नई दिल्ली जिला), कां0 चरण सिंह (यातायात–कमला मार्केट सर्कल) तथा कां0 वीर सिंह (रेलवे–थाना सराय रोहिला) ।

दिसम्बर माह के पुरस्कृत पुलिसकर्मी : कां0 कंवर सिंह (थाना शकरपुर–पूर्वी जिला), कां0 राजेश कुमार (थाना ज्योति नगर–उत्तर–पूर्वी जिला), कां0 रविन्द्र (थाना सनलाईट कॉलोनी–दक्षिण पूर्वी जिला), हैडकां0 मुकेश कुमार (थाना निहाल विहार–पश्चिम जिला) हैडकां सूरत सिंह (थाना इन्द्रपुरी–दक्षिण–पश्चिमी जिला), कां0 संजीव कुमार (थाना महेन्द्र पार्क–उत्तर–पश्चिमी जिला), कां0 करण (थाना सुलतानपुरी–बाहरी जिला), कां0 शिवराज (थाना हौजकाजी–मध्य जिला), हैडकां0 जितेन्द्र सिंह हांडा (थाना बुराड़ी–उत्तरी जिला), कां0 राजसिंह (थाना बाराखम्भा रोड़–नई दिल्ली जिला), हैडकां0 रामनिवास (यातायात–एमटीएस सर्कल), हैडकां0 सत्या कुमार (पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन), तथा एसआई किशन चंद, एसआई हरेन्द्र, कां0 मनीष ठाकरान तथ महिला कां0 सोनिका (सी.पी.सी.आर, पुलिस मुख्यालय)।

सेवानिवृत्ति

माह नवम्बर व दिसम्बर 2013 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों से 142 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए। इनमे में 11 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छा से सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त होने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है। **नवम्बर माह में सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल हैं** :– एसआई सुदेश्वर, एसआई रामचन्द्र, एसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई अशोक कुमार, एएसआई संजय कुमार बोस तथा हैडकां0 बाबू राम (पीसीआर),एसआई अश्वनी कुमार, एएसआई मोहन सिंह व एएसआई प्रताप सिह (विशेष शाखा) एमटीएस किशन लाल (पुलिस मुख्यालय), एएसआई राजेन्द्र सिंह (उतर–पश्चिमी जिला), एसआई नत्थुनी प्रसाद, एसआई रतिराम व एएसआई ओमप्रकाश (उतरी जिला), एसआई गंगाराम (प्रथम वाहिनी), एसआई भोला सिंह, एसआई प्रताप सिंह, हैडकां0 राजेन्द्र सिंह, एएसआई के.पी. मैथ्यू (दक्षिण–पूर्वी जिला) इंस्पेक्टर के.पी. गोपालन, एसआई सुभाष चन्द्र, एसआई रामनाथ शर्मा, एसआई रतन सिंह, एसआई शशिधरण पिल्लई, एएसआई शमशेर सिंह (संचार शाखा), एसआई जयभगवान व हैडकां0 रामनिवास (यातायात) एएसआई पूर्ण सिंह व एएसआई राधेश्याम (उत्तर–पूर्वी जिला) महिला हैडकां0 अंजना कुमारी व एएसआई बलवान सिंह (पश्चिमी जिला) एएसआई ऋषिपाल सिंह (एफआरआरओ), एसआई राजबीर सिंह (पीटीसी) एसआई जोगेन्द्र सिंह व एसआई रणवीर सिंह (मध्य जिला), हैडकां0 आजाद सिंह (नई दिल्ली जिला), एसआई ब्रहम सिंह, एसआई चिरंजी लाल, एसआई कुशल कंदला, एसआई बलबीर सिंह, एसआई जगदीश सिंह, एसआई अमर सिंह (सुरक्षा), एसआई राधेश्याम व एएसआई रविन्द्र कुमार (तृतीय वाहिनी) एसआई जोगेन्द्र सिंह (अपराध)। **दिसम्बर माह में सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल हैं** :– एसआई शशि बाला व एएसआई रमेश पाल (राष्ट्रपति भवन), एसआई जागीर सिंह व एएसआई सुभाषचंद (प्रथम वाहिनी) एसआई पूर्ण सिंह (महिला एवं बाल अपराध निरोधक शाखा) एसआई सुलतान सिंह व एएसआई ईश्वर सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला) एसआई किशन सिंह, एसआई तेजपाल सिंह, एसआई रामफूल, एसआई कृष्ण पाल सिंह, एसआई नेमसिंह, एसआई चरणजीत सिंह, एसआई जगदीश, एसआई अजीत सिंह, एएसआई अमरीक सिंह, एएसआई गणेश नारायण, एएसआई कृष्ण कुमार, हैडकां0 ओमप्रकाश व कां0 संजीत कुमार शिवी (पीसीआर) एसआई भाग सिंह व हैडकां0 सोहन पाल सिंह (उत्तरी जिला) एसआई रणधीर सिंह व एसआई शेर खान (दक्षिणी जिला) इंस्पेक्टर भजन सिंह, एसआई रामपाल सिंह व एएसआई विजयपाल सिंह (संचार शाखा) एसआई सत्यपाल सिंह, एसआई मो0 तहसीन व एएसआई वेदप्रकाश (पूर्वी जिला) एसआई सतेन्द्र कुमार (उत्तरी–पूर्वी जिला) हैडकां0 महावीर सिंह, हैडकां0 विजेन्द्र सिंह व कां ओमप्रकाश (तृतीय वाहिनी), इंस्पेक्टर श्यामा पंत व एसआई सुमेर सिंह (अपराध शाखा), एसआई ओमबीर सिंह, एसआई सतेन्द्र सिंह, एएसआई जीतपाल सिंह, एएसआई रूपचंद, हैडकां0 प्रहलाद सिंह (यातायात) एसआई रेवती प्रसाद, एसआई लीला बाख्ला, एसआई सूरजभान, एसआई इन्द्र सिंह व हैडकां0 राधेश्याम (विशेष शाखा), एसआई ईश्वर सिंह,एसआई सतपाल व हैडकां0 गुंजीत सिंह (दक्षिण–पूर्वी जिला) एसआई जगमिन्दर सिंह एएसआई हफीज़ रहमान, हैडकां0 दिलबाग सिंह, हैडकां0 सरजी राव इंगली (उत्तरी–पश्चिमी जिला), एसआई रामकुमार धानिया, एसआई अमी लाल, एसआई सुबेसिंह, एसआई रणधीर सिंह, एसआई विजय कुमार, एसआई गोपी एन.के. एसआई सूरजभान, एएसआई रमेशचंद, एएसआई गुरूदत, एएसआई प्रेमपाल सिंह, हैडकां0 रामबीर सिंह एमटीएस मोहन सिंह (सुरक्षा), हैडकां0 सुरेन्द्र पाल, हैडकां0 अंगराज, एमटीएस लक्ष्मीदेवी (बाहरी जिला), एसआई बलबीर सिंह और एएसआई मूलचंद (मध्य जिला), एसआई ईश्वर सिंह, एसआई सत्यवीर सिंह, एसआई राजाराम, एसआई ओमपाल, एसआई सीताराम (नई दिल्ली जिला), इंस्पेक्टर सतबीर सिंह, एसआई रणबीर सिंह, एएसआई नाहर सिंह, एएसआई संतराज (पीटीसी),एसआई जयओम सिंह, एसआई ऋषि प्रकाश (सातवीं वाहिनी) एसआई सत्यपाल सिंह, एसआई मोहम्मद तहसीन,एएसआई वेदप्रकाश (पूर्वी जिला), एएसआई ब्रहमप्रकाश, एसआई सोदान सिंह, एसआई जतत्रा उरॉन, एसआई विरेन्द्र सिंह व एएसआई मनमोहन सिंह (पी एंड एल) तथा एएसआई राय सिंह (चतुर्थ वाहिनी)



24 फरवरी, 2014 को विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन)श्री टी.एन. मोहन के पुलिस महानिदेशक गोवा में स्थानांतरित होने पर पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर उन्हें नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।



24 मार्च, 2014 को विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्री एस.नित्यानंदम के अरूणाचल प्रदेश में स्थानांतरित होने पर पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनको नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी।



24 मार्च, 2014 को अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सुरक्षा) श्री के. जगदीशन के पुद्दुचेरी में स्थानांतरित होने पर उन्हें भी पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उन्हें नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। इस मौक पर विशेष पुलिस आयुक्त एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

28 फरवरी 2014 को सेवानिवृत्त



एसीपी श्री जगदीश प्रसाद



एसीपी श्री चंद्रकांत

31 मार्च 2014 को सेवानिवृत्त



एसीपी श्री सैयद शाकिर हसन



एसीपी श्री सरबजीत सिंह









17 मार्च, 2014 को होली के पावन पर्व पर जब समस्त दिल्ली वासी रंगों की मस्ती में झूम रहे थे तो उनकी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी पुलिस पिकटों पर, चौराहों पर, पीसीआर की गाड़ियों पर व भीड़भाड़ वाले इलाकों में मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी कर रहे थे। दोपहर के समय अचानक पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के सामने रूबरू हुए। उन्हें स्वयं खाने का पैकेट देते हुए होली की शुभकामनाऐं दीं। शाबाशी दी। इस अवसर पर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, उपायुक्त पुलिस मध्य जिला श्री अजय कुमार, उपायुक्त पुलिस उत्तरी जिला श्रीमती सिंधू पिल्लै भी साथ थे, पुलिस अधिकारियों एंव कर्मियों ने होली के दिन स्वयं पुलिस आयुक्त को अपने सामने पाकर हर्षित एवं प्रसन्नचित महसूस किया। उन्हें प्रेरणा और प्रोत्साहन मिला कि केवल वे ही छुटटी के दिन सड़कों पर खड़े होकर अपने कर्तव्य का पालन नहीं कर रहे हैं बल्कि हमारे शीर्ष अधिकारी भी हमारी तरह ही छुटटी के दिन अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। यह स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस की मुस्तैदी का ही परिणाम है कि इस वर्ष सड़क दुर्घनाओं में व अन्य वारदातों में पिछले वर्ष की अपेक्षा भारी कमी आई है। वर्ष 2007 में जहाँ इस दिन 17 घातक सड़क दुर्घटनाएं हुई वहीं इस वर्ष केवल पांच सड़क हादसे घटित हुए। दिल्ली यातायात पुलिस की 200 टीमों ने 13015 लोगों के चालान किए। जिसमें शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट दुपहिया चलाने, ट्रिपल राईडिंग करने वाले तथा लाल बत्ती जम्प करने वाले वाहन चालक शामिल हैं।

अखिल भारतीय घुड़सवार पुलिस प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस घुड़सवार टीम का शानदार प्रदर्शन



2 से 10 जनवरी, 2014 के बीच गुजरात में आयोजित 32वीं अखिल भारतीय घुड़सवार पुलिस प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस की घुड़सवार टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस घुड़सवार प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों की कुल 18 टीमों नें भाग लेकर अपनी श्रेष्ठता और योग्यता को सिद्ध करने का प्रयास किया। दिल्ली पुलिस के 16 घुड़सवारों ने अपने अश्वों के साथ विभिन्न प्रकार के करतबों की झलक दिखाने वाली इस प्रतियोगिता में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। जिसकी अन्य पुलिस टीमें भी प्रशंसा किये बिना नहीं रह सकी। दिल्ली पुलिस घुड़सवार टीम ने पूर्व की भांति इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 3 कांस्य और 2 रजत पदकों पर कब्जा किया। टीम के दिल्ली वापस लौटने पर 7 फरवरी, 2014 को **उपायुक्त पुलिस (पीएंडएल) श्री आर.के.झा** के नेतृत्व में घुड़सवार टीम ने पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** से मुलाकात की। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह, एस.ओ.टू सीपी श्री जगजीत सिंह देसवाल, एसीपी श्री जगदीश पांडे** भी उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने टीम के सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें समुचित पुरस्कार से पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

इतिहास के पन्नों से

पल्लड़ (सूत का बना मोटा कपड़ा) की चोरी



मुकदमा सं. 137/5, धारा 379 भा.दं.सं. दिनांक 26.11.1895 थाना सब्जी मण्डी

संक्षिप्त तथ्य : हीरा वल्द रणजीत, जाति–राजपूत, तेलीवाड़ा में शाम 4 बजे खराद का काम कर रहा था। तभी मुल्जिम अब्दुल्ला वल्द हुसैन मौका देखकर पास ही रखा दोहरा गाड़ा (पल्लड़), कीमत 20 रूपये 4 आना उठाकर भागने लगा जिसको हीरा ने 100 कदम की दूरी पर लोगों की मदद से पकड़ लिया और थाने में पेश किया। **सजा : 1 साल की कैद या 3 महीने की कैद और 10 रूपये जुर्माना। (03.01.1896)**

कलकल

सम्पादकः जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादकः उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली